

(b) Since 1965, about 29 varieties of jojoba have been introduced in India from U.S.A. Two varieties of Gopnar were introduced from U.S.S.R. in 1971 and three varieties from USA in 1979-80. One variety of Copaiba has also been introduced this year from U.S.A. These materials are being tested for their suitability to Indian climate and studies on their commercial and economic feasibility are underway.

(c) Research on these plants is being conducted under the auspices of Indian Council of Agricultural Research. The Central Arid Zone Research Institute and National Bureau of Plant Genetic Resources regional station located at Jodhpur; are conducting research on these energy plants. An All India project on Under-utilized Plants is being formulated and will be put into operation very soon. In addition research to standardize technology to produce ethanol directly from sugarcane and conversion of tapioca biomass into alcohol is being conducted at National Sugar Institute Kanpur and Central Tuber-Crops Research Institute, Trivandrum, respectively.

(d) As the research work on utilizing these plants as a source of energy is at a very initial stage, it would be premature to predict anything about the time of breakthrough

राजस्थान को चीनी का आवंटन

2779. श्री चतुर्भुज : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी 1980 से 15 नवम्बर, 1980 तक राजस्थान को खुली बिक्री की चीनी राशन कार्ड पर दी जाने वाली लेबी चीनी और 6.10 रुपये प्रति कि० ग्रा० के भाव पर बेची जाने वाली चीनी की कितनी-कितनी मात्रा आवंटित की गई ;

(ख) क्या राज्य सरकार ने प्रत्येक माह अपना निश्चित कोटा उठाया था; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरार० बी० स्वामीनाथन) :

(क) राजस्थान सरकार को पहली जनवरी, 1980 से अब तक राशन कार्डों पर बिक्री के लिए 12757 मीटरी टन लेबी चीनी का मासिक कोटा आवंटित किया जा रहा है। पहली सितम्बर, 1980 से 15 नवम्बर, 1980 की अवधि के दौरान जबकि स्वैच्छिक मूल्य विनियमन योजना लागू थी, राजस्थान को घरेलू उपभोक्ताओं को 6.00 रुपये प्रति किलो की दर पर और बल्क उपभोक्ताओं को 5.97 रुपये प्रति किलो की दर पर बेचने हेतु कुल 16,600 मीटरी टन मुक्त बिक्री की चीनी आवंटित की गई थी। अन्य महीनों के दौरान किसी राज्य विशेष के बारे में मुक्त बिक्री की चीनी का आवंटन करने की कोई प्रणाली नहीं है।

(ख) और (ग). मुख्यतया रेलवे वैनगनों की सप्लाई के बारे में कठिनाइयाँ होने के कारण राज्य सरकार समस्त मासिक कोटा उठा नहीं पायी है।

Permission to sell plot to its holders

2780. SHRI CHANDRA PAL SHAI-LANI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Delhi Development Authority gives sale/transfer permission to the plot-owners on application by them which are in consonance with the Lease terms;

(b) whether it is also a fact that sale/transfer permission is not given to the allottees of flats although this

satisfies lease terms and conditions of the conveyance deed/lease deed; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-
TARY AFFAIRS AND WORKS AND
HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN
SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The Delhi Development Authority have recently decided that sale/transfer permission for flats may be granted subject to certain conditions.

(c) Does not arise.

टेलीफोन कनेक्शन

2781. श्री दया राम शंकर : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कितने लोगों को टेलीफोन प्राप्त करने हेतु कतिपय राशि जमा कराने को कहा गया है और उन टेलीफोन एक्सचेंजों के क्या नाम हैं जिनसे उक्त कनेक्शन दिये जायेंगे ;

(ख) कितने लोगों ने जमानत की राशि जमा कराई है ;

(ग) इन व्यक्तियों द्वारा उक्त जमाराशि दे दिये जाने के बावजूद भी उन्हें टेलीफोन कनेक्शन न दिये जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) उन्हें कब तक टेलीफोन कनेक्शन दे दिये जायेंगे ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वार्तिक उर्लाकर) (क) एवं (ख) टेलीफोन कनेक्शन चाहने वाले प्रत्येक आवेदनकर्ता को दस रुपये मूल्य का एक निर्धारित आवेदन-पत्र भरना पड़ना है। आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् उसे गैर ओ० वाई० टी० कनेक्शनो के मामले में 1000 रुपये और ओ० वाई० टी०

कनेक्शनो के मामले में 5000 रुपये का डिमांड नोट दिया जाता है। उक्त डिमांड नोट की रकम की अदायगी के बाद आवेदन पत्र को पंजीकृत प्रतीक्षा सूची में दर्ज कर लिया जाता है। दिल्ली के विभिन्न टेलीफोन एक्सचेंजों की प्रतीक्षा सूची में 1-11-80 को इस प्रकार के 65,798 नाम दर्ज थे। इसकी एक्सचेंज बार सूचना संलग्न विवरणी में दी गई है।

(ग) वित्त और सामग्री के साधन सीमित होने के कारण अभी विभाग मांग पर टेलीफोन कनेक्शन लगाने की स्थिति में नहीं है।

(घ) ऐसी आशा की जाती है कि शाहदरा और जोर बाग द्वारा सेबित कुछ इलाकों के आवेदनकर्ताओं को छोड़कर 31-12-1979 तक प्रतीक्षा सूची में पंजीकृत आवेदनकर्ताओं को 1982-83 के अंत तक टेलीफोन कनेक्शन दे दिये जायेंगे। शाहदरा और जोरबाग इलाकों के लिए, के लिए भी नये राहत एक्सचेंजों की योजना बनाई गई है। चालू योजना अवधि के दौरान इन एक्सचेंजों को चालू करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

विवरण

क्र० सं०	एक्सचेंज का नाम	1-11-1980 क प्रतीक्षा सूची
1.	शाहदरा पूर्वी	1984
2.	शाहदरा	3558
3.	तीमहजारी	3536
4.	दिल्ली गेट	2591
5.	गाजियाबाद	2316
6.	जनपथ	811